सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक: 29 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 2 मार्च, 2026
मूल्य ₹ 3/-

जो छोटी-छोटी बातों में सच को गंभीरता से नहीं लेता है, उस पर बड़े मसलों में भी भरोसा नहीं किया जा सकता।
-अल्बर्ट आइंस्टीन

खिताब से दो कदम दूर... 7 | ट्रेड डील पर सियासी संग्राम, सरकार... 3 | ईरान युद्ध पर अपना रुख साफ... 2

तेजी से फैलता दायरा, कच्चे तेल की कीमतों में आग

» भारत ने अभी तक नहीं की खामनेई की हत्या की निंदा

» खामोशी का बारूद तेल की आग में झुलसने को तैयार भारत!

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तेहरान पर अटैक के बाद उठी जंग की चिंगारी अब पूरी दुनिया को अपने घेरे में लेने लगी है। और इस जंग की सबसे खतरनाक सच्चाई यह है कि जंग की आग सीमाओं में नहीं रुकेगी।

ईरान इजरायल और अमेरिका के बीच जो टकराव वर्षों से छाया युद्ध के रूप में उबाल मार रहा था अब खुली आग में बदलता दिख रहा है। हर विस्फोट के साथ एक नया सवाल उठ रहा है के क्या यह सिर्फ बदले की कार्रवाई है या किसी बड़े भू-राजनीतिक पुनर्गठन की शुरुआत?

टूट चुका है शक्ति का संतुलन

यह जंग सिर्फ क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रही। रूस चीन और पश्चिमी शक्तियां अपने अपने रणनीतिक हितों के अनुसार प्रतिक्रिया दे रही हैं। यह संघर्ष आने वाले वर्षों में वैश्विक शक्ति संतुलन को बदल सकता है।

खून से बनती नई सीमाएं

तेहरान की रात उस दिन सामान्य नहीं थी। आसमान में गूंजती आवाजें बादलों की नहीं थीं वह इतिहास के टूटने की थी। एक ऐसी परछाई जो दशकों से मध्य-पूर्व की राजनीति की धुरी थी अचानक सन्नाटे में बदल गई। दुनिया भर के खुफिया गलियारों में फुसफुसाहट थी क्या यह सिर्फ हमला था या सत्ता के दिल पर सीधा प्रहार? और इसी सन्नाटे में मिसाइलों की लकीरें खिंचती चली गईं जैसे किसी ने नक्शे पर खून से नई सीमाएं बना दी हों।

खामनेई की मौत के बाद ईरानी तेवर उग्र विध्वंसक कार्रवाई जारी

अयातुल्लाह अली खामनेई को लेकर उठती खबरें

इस पूरे संकट में सबसे रहस्यमयी और विस्फोटक पहलू है कि अयातुल्लाह अली खामनेई को लेकर उठती खबरें जिनकी आधिकारिक पुष्टि या खंडन के बीच पूरी दुनिया सांस रोके बैठी है। यदि यह सच साबित होता है तो यह सिर्फ एक व्यक्ति की मौत नहीं होगी यह एक विचारधारा एक प्रतिरोध और एक भू राजनीतिक धुरी पर हमला माना जाएगा। मध्य पूर्व की इस आग में सिर्फ मिसाइलें नहीं जल रहीं यहां भरोसा संतुलन और वैश्विक स्थिरता सब राख हो रहे हैं। और इस राख की गर्मी अब दुनिया के हर कोने तक पहुंचने लगी है।

पाकिस्तान में तनावपूर्ण स्थिति

पाकिस्तान में भी हालात तनावपूर्ण हो गए हैं। नूरखान एयरबेस पर ड्रोन हमले की खबरें सामने आई हैं। इस्लामाबाद और रावलपिंडी में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यह संकेत है कि यह संघर्ष पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले सकता है।

तेल बाजार में विस्फोट 10 फीसदी तक का उछाल भारत पर सीधा असर

संघर्ष के तेज होते ही वैश्विक तेल बाजार में विस्फोट जैसी स्थिति बन गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक ही झटके में 10 फीसदी तक की उछाल दर्ज की गई है। ब्रेंट क्रूड तेजी से ऊपर चढ़कर उस स्तर के करीब पहुंच गया है जिसे वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक संकेत माना जाता है। ऊर्जा विशेषज्ञों का साफ कहना है कि अगर यह संघर्ष लंबा चला और ईरान या उसके सहयोगी देशों ने तेल आपूर्ति मार्गों खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य को बाधित किया तो कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल या उससे भी ऊपर जा सकती हैं।भारत के लिए यह स्थिति किसी आर्थिक भूकंप से कम नहीं है। भारत अपनी जरूरत का करीब 85 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है और उसमें भी एक बड़ा हिस्सा मध्य पूर्व से आता है। ऐसे में तेल की कीमतों में यह उछाल सीधे पेट्रोल डीजल की कीमतों महंगाई दर और आम लोगों की जेब पर असर डालेगा। परिवहन लागत बढ़ेगी खाद्य पदार्थ महंगे होंगे और उद्योगों का उत्पादन खर्च भी तेजी से बढ़ेगा। इसका सबसे बड़ा असर आम नागरिक पर पड़ेगा, जो पहले ही महंगाई की मार झेल रहा है। अगर कच्चा तेल 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचता है, तो भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी वृद्धि लगभग तय मानी जा रही है। इसके साथ ही सरकार पर सब्सिडी और वित्तीय संतुलन बनाए रखने का दबाव भी बढ़ेगा।

इजरायल अमेरिका ईरान युद्ध

भारत के लिए खतरे की घंटी तेल की आग में जलती अर्थव्यवस्था

इस जंग की सबसे खतरनाक गूंज हजारों किलोमीटर दूर भारत में भी सुनाई दे रही है। क्योंकि मिसाइलों की हर आवाज के साथ कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आता है और हर उछाल भारत के करोड़ों लोगों की जेब पर सीधा हमला होता है। भारत की अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ा खतरा तेल है। क्रूड आयल पहले ही तेजी से ऊपर जा चुका है। हर दिन हो रही 10 डॉलर प्रति बैलर की वैश्विक बढ़ोत्तरी भारत के आयात बिल में अरबों डॉलर जोड़ देती है। इसका असर सिर्फ पेट्रोल पंप तक सीमित नहीं रहेगा। महंगाई बढ़ेगी परिवहन महंगा होगा और आम आदमी की जिंदगी सीधे प्रभावित होगी। भारत की खामोशी भी सवालों के घेरे में है। कूटनीतिक संतुलन बनाए रखना आसान नहीं लेकिन इस जंग में तटस्थ रहना भी जोखिम भरा है। भारत जो अपनी ऊर्जा जरूरतों का 80 फीसदी से ज्यादा तेल आयात करता है इस युद्ध का प्रत्यक्ष पक्ष नहीं है। लेकिन इसका सबसे बड़ा आर्थिक शिकार बन सकता है। तेल बाजारों में घबराहट फैल चुकी है। और संकेत साफ हैं के यह जंग सिर्फ सीमाओं को नहीं बल्कि अर्थव्यवस्थाओं को भी तोड़ने वाली है।

कांग्रेस का हमला भारत की खामोशी पर सवाल?

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने इस पूरे घटनाक्रम पर भारत सरकार की चुप्पी को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यदि वास्तव में अयातुल्लाह खामनेई की हत्या हुई है तो यह सिर्फ एक देश के नेता की मौत नहीं बल्कि वैश्विक नैतिक व्यवस्था पर हमला है। खेड़ा ने पूछा है कि

भारत जिसने हमेशा शांति और नैतिक नेतृत्व की बात की आज खामोश क्यों है? उन्होंने कहा कि यह वही भारत है जिसने दुनिया को अहिंसा का संदेश दिया लेकिन आज जब मध्य पूर्व जल रहा है तब उसकी आवाज़ कहीं सुनाई नहीं दे रही। उन्होंने चेतावनी दी कि यह खामोशी भविष्य में भारत की वैश्विक साख को नुकसान पहुंचा सकती है।

जंग में अमेरिका इजरायल को भारी सैन्य नुकसान

जिम्मेदार मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक हालिया हमलों में अमेरिका और इजरायल को गंभीर सैन्य नुकसान हुआ है। रिपोर्टस का दावा है कि दोनों मुल्कों के अबतक 173 से ज्यादा सैनिक मारे जा चुके हैं।

- बहरीन में 32 से ज्यादा अमेरिकन/इजरायली सैनिकों की मौत
- कतर में 41 से ज्यादा अमेरिकन/इजरायली सैनिकों की मौत
- यूएई में 63 से ज्यादा अमेरिकन/इजरायली सैनिकों की मौत
- इजरायल में 37 से ज्यादा अमेरिकन/इजरायली सैनिकों की मौत की खबरें हैं।

सीमाओं से परे जाता संघर्ष

ईरान के भीतर गुस्सा सिर्फ सैन्य प्रतिक्रिया नहीं बल्कि अस्तित्व की लड़ाई का प्रतीक बन चुका है। सड़कों पर गूंजते नारे, सैन्य ठिकानों पर बढ़ती गतिविधियां, और धार्मिक प्रतिष्ठानों से उठती चेतावनियां। यह सब संकेत दे रहे हैं कि यह संघर्ष अब सीमाओं से परे जा चुका है। ईरान ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि वह इस हमले को सिर्फ सैन्य कार्रवाई नहीं बल्कि अपने राष्ट्रीय अस्तित्व पर हमला मानता है। जंग की पूरी कमान अब रेवोशूनली गार्ड के पास है। गतिविधियां तेज हो चुकी हैं।

ईरान युद्ध पर अपना रुख साफ करे केंद्र सरकार: अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले- इंसान के साथ इंसानियत का मारा जाना बहुत ही अफसोसजनक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ईरान मामले पर कहा कि किसी देश के सबसे खास से लेकर आम नागरिकों तक पर हो रहे जानलेवा हमलों व जंग के इन हालात में हमारे देश की सरकार अपना रुख साफ करे और बताए कि वो जंग के साथ है या अमन के। युद्ध को रोकने व शांति की बहाली के लिए एक तटस्थ देश होने के नाते क्या कूटनीतिक प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि हमारे देश की सरकार हरसंभव स्तर पर युद्ध में मारे जाने वालों से जुड़ी खबरों की पुष्टि करे और सच क्या है ये जनता के सामने रखे। युद्धकालीन समाचार अक्सर रणनीति का हिस्सा होते हैं, इसीलिए उनकी पुष्टि की जरूरत होती है। अखिलेश ने कहा कि इंसान के साथ इंसानियत का मारा जाना बेहद अफसोसजनक है। हर देश को जिम्मेदाराना व्यवहार करना चाहिए।

सपा प्रमुख ने अजीज कुरैशी की दूसरी पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित की

लखनऊ। समाजवादी पार्टी राज्य मुख्यालय में मिजोरम, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल जनाब अजीज कुरैशी साहब की दूसरी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये गए। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित श्रद्धांजलि दी। पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद आजम खां साहब द्वारा संस्थापित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय को अपने कार्यकाल में राज्यपाल अजीज कुरैशी साहब ने ही मान्यता प्रदान की थी। सत्ता में आने पर भाजपा ने इस विश्वविद्यालय को बर्बाद करने और मोहम्मद आजम खां साहब पर तमाम झूठे मुकदमें लगाकर प्रताड़ित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। कार्यक्रम में अजीज कुरैशी साहब के भांजा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव सूफियान कुरैशी ने शिरकत की।

हर हाल में फतेहपुर जाऊंगा: अजय राय

» मृत बीएलओ के घर जा रहे थे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

» रोकने के लिए डीएम ने लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की ओर से फतेहपुर में आत्महत्या करने वाले बीएलओ के परिजनों से मिलने की घोषणा करते ही प्रशासन हरकत में आ गया है। फतेहपुर के जिलाधिकारी ने लखनऊ कमिश्नर को पत्र लिखकर उन्हें रोकने की मांग की है। दूसरी तरफ कांग्रेस अध्यक्ष का कहना है कि वह हर हाल में फतेहपुर जाएंगे।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विभिन्न स्थानों पर दम तोड़ने वाले बीएलओ के परिजनों से मिलने जाते हैं। जिन बीएलओ की हार्ट अटैक अथवा अन्य कारणों से मौत हुई है या फिर किसी ने आत्महत्या की है, कांग्रेस उनकी विस्तृत रिपोर्ट तैयार करके दिल्ली भेजती है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अब तक करीब 24 बीएलओ के घर जा चुके हैं। इस बीच फतेहपुर के बिंदकी तहसील के अलियाबाद निवासी शिक्षामित्र अखिलेश कुमार सविता के आत्महत्या करने की सूचना मिली। इस पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने दो मार्च को

फतेहपुर अखिलेश सविता के घर जाने का ऐलान कर दिया। अजय राय का फतेहपुर कार्यक्रम जारी होते ही वहां के जिलाधिकारी ने लखनऊ कमिश्नरेट के आयुक्त को पत्र भेजा है। भेजे गए पत्र में कहा गया है कि होली एवं रमजान के पर्व को देखते हुए पुलिस बल का व्यवस्थापन किया जा चुका है। ऐसे में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को लखनऊ में ही रोका जाए। इस पत्र के जारी होते ही लखनऊ पुलिस सक्रिय हो गई है। उधर, कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय का कहना है कि वह हर हाल में फतेहपुर जाएंगे।

केवल वार्ता से निकलता है समाधान: जगदंबिका पाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के नेता व सांसद जगदंबिका पाल का ईरान और इजरायल युद्ध पर बड़ा बयान सामने आया है। भारत की नीति स्पष्ट है, भारत ने दोनों देशों से संयम की अपेक्षा की है. भारत इस बात की अपेक्षा करता है कि किसी चीज का समाधान केवल वार्ता से है। इसी से शांति का रास्ता निकलता है।

» ईरान-इजरायल युद्ध पर बोले बीजेपी सांसद

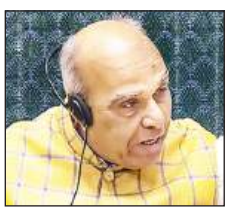

उन्होंने कहा कि, जो हमारी अपनी विदेश नीति है, उसकी एक स्पष्टता है, और मुझे लगता है इस समय भारत और भारत के पीएम नरेंद्र मोदी की आवाज को पूरे विश्व के पैमाने में सुनी जा रही है. भारत का इस समय दृष्टिकोण है, भारत की जो दिशा है वो चाहे यूक्रेन-रसिया के मामले में हो या हमास या इजरायल के मामले में हो। उन्होंने कहा कि लोगों को कुछ वर्षों पूर्व की सरकारों में लगता था कि दुनिया में अगर युद्ध होगा तो उसका बैटल फील्ड भारत, पाकिस्तान या हमारी सीमाओं पर होगा। उन्होंने कहा कि पहले लोगों को लगता था कि आतंकवाद भारत की समस्या है, लेकिन आज ये विश्व ने माना कि आतंकवाद भारत नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए है। आज आतंकवाद के मुद्दे पर कई देश भारत के साथ खड़े हैं। पीएम मोदी नेतृत्व में भारत पूरी तरह सुरक्षित है। भारत दुनिया की समस्याओं का समाधान कर रहा है।

देश में बदलाव की उल्टी गिनती शुरू: केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने जंतर-मंतर पर रैली का आयोजन किया। इस दौरान पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के निशाने पर केंद्र की भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रहे। केजरीवाल ने कहा कि 4 अप्रैल 2011 को इसी जंतर-मंतर से देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ हुंकार भरी गई थी और उसके बाद कांग्रेस का सफाया हुआ। अब इसी स्थान से भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के अभियान की शुरुआत हो रही है और आज से भाजपा की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

केजरीवाल ने कहा कि वर्ष 2014 में लोगों ने बड़ी उम्मीदों के साथ नरेंद्र मोदी को पूर्ण बहुमत दिया, लेकिन 12 साल बाद भी आम आदमी की जिंदगी में कोई बुनियादी बदलाव नहीं आया। उन्होंने आरोप लगाया कि न अच्छी सड़के हैं, न पीने का पानी, न सीवर और न ही 24 घंटे बिजली। प्रदूषण चरम पर है और एयरलाइन, रेलवे, बैंक, स्कूल और अस्पताल जैसे हर सेक्टर की हालत खराब है। केजरीवाल ने दुबई, अमेरिका, टोक्यो, जर्मनी और फ्रांस की सड़कों का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां गाड़ियां 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ती हैं, जबकि गुजरात के राजकोट से जूनागढ़ की 104 किमी दूरी तय करने में चार घंटे लगते है। प्रदूषण के मुद्दे पर उन्होंने बीजिंग का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां प्रदूषण कम हुआ, लेकिन उत्तर भारत में सांस लेना मुश्किल है। केजरीवाल ने अपने खिलाफ

चले कथित शराब घोटाले का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले चार साल से उन्हें और दिल्ली के लोगों को परेशान किया गया। दिन-रात उन्हें चोर और भ्रष्टाचारी बताया गया। उन्होंने दावा किया कि अदालत ने साफ कहा है कि पूरा केस फर्जी था और कोई सबूत नहीं मिला। सदियों में ऐसा फैसला आया है। उन्होंने यह भी कहा कि 10 साल में उनके खिलाफ एक रुपये का भ्रष्टाचार साबित नहीं हुआ, जबकि हजारों फाइलों पर उन्होंने हस्ताक्षर किए।

दिल्ली की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने कहा कि एक साल में हालात बदतर हो गए हैं। उन्होंने दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के बस मार्शलों को नियमित करने के वादे का जिक्र करते हुए कहा कि एक भी मार्शल नियमित नहीं हुआ। भाजपा सरकार ने 10 हजार बस मार्शल, हजारों डीटीसी चालक-कंडक्टर, मोहल्ला क्लीनिक और अस्पतालों के कर्मचारियों को निकाल दिया।

भाजपा सरकार पर आरोप की बजाए अपना काम बताएं केजरीवाल : सचदेवा

प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी और उसके राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर पलटवार किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल 11 वर्षों तक दिल्ली और साढ़े तीन साल से पंजाब में सरकार चलाने के बावजूद विकास पर जवाब देने से बच रहे हैं और एक वर्ष पुरानी दिल्ली सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल की राजनीति दोषारोपण पर आधारित है। उनके अनुसार, दिल्ली और पंजाब में कथित तौर पर जीरो विकास के बावजूद आप नेतृत्व गुजरात और गोवा की भाजपा सरकारों से जवाब मांगता है, जबकि वहां की जनता ने कई बार उन्हें नकारा है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक छूट मिलते ही केजरीवाल दिल्ली से लेकर विदेशों तक की समस्याओं का ठीकरा भाजपा पर फोड़ने लगते हैं।

महिलाओं को 2500 रुपये देने का वादा भी पूरा नहीं हुआ। केजरीवाल ने दावा किया कि आप सरकार के दौरान दिल्ली में 24 घंटे बिजली, बेहतर स्कूल और अस्पताल थे, लेकिन अब सड़कों पर गड्ढे, गंदगी और पानी की समस्या बढ़ गई है। उन्होंने चुनौती दी कि यदि आज चुनाव हो जाएं तो भाजपा 10 सीटें भी नहीं जीत पाएगी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

जो दुखी हैं उन्हें शांति से दुख मनाने दिया जाए: अब्दुल्ला

» खामेनेई की मौत पर जम्मू-कश्मीर में आक्रोश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ईरान के सुप्रीम लीडर खामनेई की मौत पर अपनी चिंता जाहिर की है। अब्दुल्ला ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि ईरान में घट रही घटनाओं, जिनमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या भी शामिल है, को लेकर मैं अत्यंत चिंतित हूँ।

मैं सभी समुदायों से शांति बनाए रखने, शांति का समर्थन करने और तनाव या अशांति पैदा करने वाले किसी भी कार्य से बचने की अपील करता हूँ। हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि जम्मू और कश्मीर में शोक मना रहे लोगों को शांतिपूर्वक शोक मनाने की अनुमति दी जाए। पुलिस और प्रशासन को अत्यधिक संयम बरतना चाहिए और बल प्रयोग या प्रतिबंधात्मक उपायों से बचना चाहिए। जम्मू और कश्मीर सरकार, भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर ईरान में मौजूद जम्मू-कश्मीर निवासियों, जिनमें छात्र भी शामिल हैं, की सुरक्षा और कुशलक्षेम सुनिश्चित करने के लिए निकट समन्वय में है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खोमेनेई की इजराइल और अमेरिका द्वारा किए गए एक बड़े हमले में मौत हो गयी है। ईरान की सरकारी मीडिया ने रविवार तड़के इसकी पुष्टि की।

इस घटना ने ईरान के भविष्य को अनिश्चितता में डाल दिया है और क्षेत्रीय अस्थिरता का खतरा बढ़ा दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ घंटे पहले खोमेनेई की मौत की घोषणा करते हुए कहा कि इससे ईरानियों को अपने देश की बागडोर अपने हाथों में वापस लेने का सबसे बड़ा मौका मिला है। यूरोपीय एयरोस्पेस कंपनी एयरबस द्वारा ली गयी सैटेलाइट तस्वीरों में वह स्थान भारी बमबारी से क्षतिग्रस्त दिखायी दिया, जहां खामेनेई की मौत हुई है।

ट्रेड डील पर सियासी संग्राम, सरकार परेशान

राहुल गांधी की किसान नेताओं से मुलाकात

» टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर उठे बड़े सवाल

» सरकार की झूठ की पोल खुली!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ट्रेड डील को लेकर सियासत तेज हो गई है। राहुल गांधी ने किसान नेताओं से मुलाकात कर टेक्सटाइल इंडस्ट्री और किसानों के मुद्दे उठाए। सरकार के दावों पर सवाल खड़े करते हुए उन्होंने इसे बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना दिया है। अमेरिका के साथ हाल ही में हुए व्यापार समझौते ने देश की राजनीति में तूफान खड़ा कर दिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संसद भवन में किसान यूनियनों के प्रमुख नेताओं के साथ लंबी बैठक की, इस बैठक में अमेरिका-भारत ट्रेड डील का पुरजोर विरोध किया गया और कहा गया कि यह डील किसानों, खेत मजदूरों और टेक्सटाइल इंडस्ट्री को भारी नुकसान पहुंचाएगी।

राहुल गांधी ने साफ कहा कि यह डील खेती के इंपोर्ट के लिए रास्ता खोल रही है। जल्द ही मक्का, सोयाबीन, कपास, फल और मेवे जैसे कई उत्पाद सस्ते दाम पर भारत आएंगे। जिससे हमारे अन्नदाताओं की रोजी-रोटी छिन जाएगी। बैठक में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री सुखपाल सिंह खैरा, रंजीत सिंह संधू और अशोक बलहारा सहित कई प्रमुख किसान नेता शामिल हुए। आपको बता दें कि बैठक की शुरुआत में राहुल गांधी ने किसान नेताओं को हाल की ट्रेड डील की पूरी डिटेल बताई और उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने अमेरिका के दबाव में यह समझौता किया है। जिसमें अमेरिकी कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क बहुत कम कर दिया गया है। राहुल ने कहा कि अमेरिका में किसानों को भारी सब्सिडी मिलती है उनके मक्का, सोयाबीन और कपास का उत्पादन बहुत सस्ता पड़ता है अब ये उत्पाद भारत में सस्ते दाम पर आएंगे तो हमारे किसान अपना माल नहीं बेच पाएंगे।

किसानों का ही नहीं करोड़ों टेक्सटाइल मजदूरों को भी नुकसान : राहुल

वहीं राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर कहा कि यह सिर्फ किसानों का नहीं बल्कि करोड़ों टेक्सटाइल मजदूरों का भी सवाल है। गुजरात, तमिलनाडु और महाराष्ट्र की टेक्सटाइल इंडस्ट्री इस डील से बुरी तरह प्रभावित होगी और उन्होंने आंकड़े भी दिए कि भारत में टेक्सटाइल सेक्टर में करीब 4.5 करोड़ लोग काम करते हैं और इनमें से ज्यादातर छोटे किसान परिवारों से आते हैं।

सरकार ने डील को 'ऐतिहासिक' बताया

वहीं सरकार ने इस डील को 'ऐतिहासिक' बताया है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि किसानों के हित सुरक्षित हैं। संवेदनशील उत्पादों पर कोई रियायत नहीं दी गई है लेकिन कांग्रेस और किसान नेता इस दावे को झूठा बता रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार कह रही है कि कोई नुकसान नहीं होगा लेकिन हकीकत यह है कि अमेरिकी मक्का और सोयाबीन पहले ही भारत आ रहे हैं और भाव गिर रहे है। किसान नेता अशोक बलहारा ने कहा कि हमारे पास आंकड़े हैं पिछले छह महीने में सोयाबीन के भाव 15 प्रतिशत गिर चुके हैं अगर डील लागू हुई तो और गिरेंगे।

गुजरात मे आप और कांग्रेस दोनो विरोध में

गुजरात में आप और कांग्रेस दोनों ही इस डील का विरोध कर रहे हैं। आप प्रदेश अध्यक्ष इशुदान गढ़वी ने राज्यपाल से मिलने का समय मांगा है वे कहते हैं कि गुजरात की लॉबी इस डील से बुरी तरह फंसी है। यहां के कपास और मूंगफली किसान बर्बाद हो जाएंगे। कांग्रेस ने भी गुजरात में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके राहुल गांधी के बयान का समर्थन किया। वडोदरा और सूरत जैसे शहरों में किसान संगठन सक्रिय हो गए हैं।

किसान नेताओं ने भी अपनी चिंता जताई

किसान नेताओं ने भी अपनी चिंता जताई। उन्होंने बताया कि गुजरात, महाराष्ट्र मध्य प्रदेश और पंजाब के लाखों किसान मक्का, सोयाबीन और कपास उगाते हैं। अगर अमेरिकी आयात बढ़ा तो इन फसलों के भाव गिर जाएंगे और किसान घाटे में चले जाएंगे किसान नेता रंजीत संधू ने कहा कि कपास किसानों का सीधा नुकसान होगा। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कपास उत्पादक देश है लेकिन अमेरिकी कपास सस्ता आने से हमारे किसानों का बाजार छिन जाएगा। टेक्सटाइल मिलें भी प्रभावित होंगी क्योंकि मिल मालिक सस्ता आयातित कपास खरीदेंगे और स्थानीय किसानों से खरीदना बंद कर देंगे।

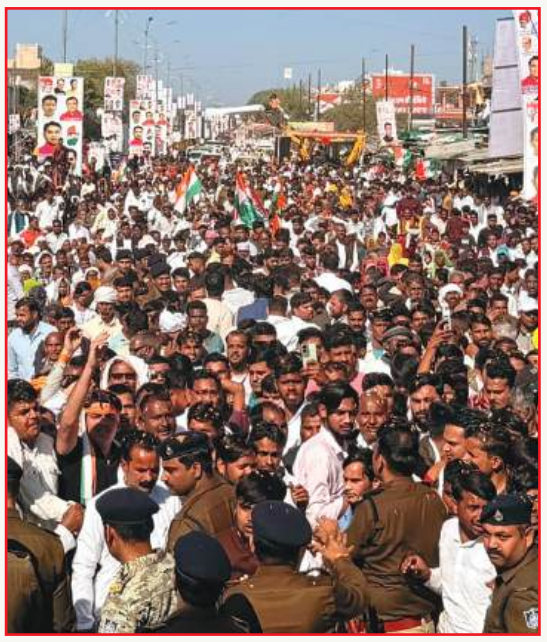

गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में हजारों मिलों पर असर

भारत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी है। गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में हजारों मिलें चलती हैं। इन मिलों में कच्चा माल मुख्य रूप से भारतीय कपास होता है अगर अमेरिकी कपास सस्ता आया तो मिलें भारतीय कपास कम खरीदेंगी। इससे लाखों किसान और मजदूर बेरोजगार हो सकते हैं। किसान नेता रंजीत संधू ने बैठक में कहा कि गुजरात के सौराष्ट्र और उत्तर गुजरात के कपास किसान पहले से ही सूखे और महंगाई से परेशान हैं। वहीं अब यह डील उनके लिए आखिरी झटका होगी। राहुल गांधी ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि सरकार टेक्सटाइल को 'सनराइज सेक्टर' कहती है लेकिन इस डील से यह सेक्टर डूब जाएगा। जानकारी के मुताबिक बैठक में तय हुआ कि अगले कुछ हफ्तों में देशभर में किसान रैलियां होंगी। पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, गुजरात और उत्तर प्रदेश में बड़े प्रदर्शन होंगे किसान नेता सुखपाल खैरा ने कहा कि हम दिल्ली में संसद के बाहर धरना देंगे अगर जरूरत पड़ी तो ट्रैक्टर मार्च भी निकालेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि यह सिर्फ कांग्रेस का नहीं, बल्कि पूरे देश के किसानों का आंदोलन होगा हम सभी विपक्षी दलों को साथ लेकर चलेंगे।

देशभर में बड़े पैमाने पर राष्ट्रीय आंदोलन चलाया जाएगा

जानकारी के अनुसार बैठक में यह भी तय हुआ कि देशभर में बड़े पैमाने पर राष्ट्रीय आंदोलन चलाया जाएगा। सुखपाल सिंह खैरा ने कहा कि हम दिल्ली में धरना देंगे, राज्य स्तर पर रैलियां करेंगे और हर गांव में जाकर लोगों को जागरूक करेंगे। राहुल गांधी ने इस प्रस्ताव का पूरा समर्थन किया। और कहा कि एफआईआर हो, मुकदमा हो या विशेषाधिकार प्रस्ताव आए मैं किसानों के साथ खड़ा रहूंगा जो भी डील किसानों की रोजी-रोटी छीने या देश की खाद्य सुरक्षा को कमजोर करे वह किसान-विरोधी है और उन्होंने जोर देकर कहा कि मोदी सरकार अन्नदाताओं के हितों से कोई समझौता नहीं कर पाएगी। इससे पहले राहुल गांधी ने एक्स पर भी इस डील पर हमला बोला था और उन्होंने लिखा था कि ट्रेड डील ने किसानों की पीठ में छुरा घोंप दिया है। अमेरिका सब्सिडी देकर सस्ता माल बेचेगा और हमारे किसान बर्बाद हो जाएंगे, बैठक के बाद राहुल ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हम सिर्फ विरोध नहीं कर रहे, बल्कि विकल्प भी दे रहे हैं। सरकार को किसानों से बात करनी चाहिए। एमएसपी पर कानून बनाना चाहिए और विदेशी आयात पर सख्त शुल्क लगाना चाहिए।

भाजपा ने राहुल गांधी पर 'राजनीति' करने का आरोप लगाया

भाजपा ने राहुल गांधी पर 'राजनीति' करने का आरोप लगाया है। पार्टी प्रवक्ता ने कहा कि राहुल गांधी हर मुद्दे पर विरोध करते हैं यह डील देश के हित में है। निर्यात बढ़ेगा, रोजगार बढ़ेगा, लेकिन कांग्रेस ने कहा कि सरकार सिर्फ बड़े कारोबारियों के हित देख रही है छोटे किसानों को भूल गई है। इस समझौते में अमेरिका ने भारत के कई उत्पादों पर शुल्क कम किया है लेकिन भारत ने अमेरिकी कृषि उत्पादों पर शुल्क बहुत कम कर दिया है। इससे अमेरिका से मक्का, सोयाबीन, कपास और फल सस्ते दाम पर आएंगे। किसान संगठनों का कहना है कि अमेरिका में किसानों को प्रति एकड़ लाखों

रुपये सब्सिडी मिलती है जबकि भारत में किसान 6-7 हजार रुपये प्रति एकड़ एमएसपी पर निर्भर हैं, इस असमानता से भारतीय किसान टिक नहीं पाएंगे। वहीं बैठक के अंत में राहुल गांधी ने किसान नेताओं से कहा कि मैं आप लोगों के साथ हूं चाहे जेल हो, मुकदमा हो या कोई भी दबाव, मैं किसानों की लड़ाई लड़ूंगा। यह बयान किसान नेताओं में नया जोश भर गया अब देखना है कि यह आंदोलन कितना बड़ा रूप लेता है और सरकार क्या जवाब देती है। बता दें कि यह मुद्दा सिर्फ किसानों का नहीं है यह देश की खाद्य सुरक्षा, रोजगार और टेक्सटाइल इंडस्ट्री का भी सवाल है। अगर सरकार नहीं मानी तो आने वाले दिनों में देशभर में बड़ा आंदोलन देखने को मिल सकता है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

हिरासत में मौत सरकारें बनाए रोकने की नीति

“ न्यायालय ने ज़ोर देकर कहा कि फुटेज को कम से कम 18 महीने तक सुरक्षित रखा जाना चाहिए और हिरासत में यातना या मौत से संबंधित जाँच के दौरान उसे सुलभ बनाया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए एक जनहित याचिका (पीआईएल) शुरू की, जिसमें भारत भर के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी का मुद्दा उठाया गया था।

पुलिस की अभिरक्षा में मौत के मामले बढ़ना सरकारों के लिए चिंता का विषय है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले से एकबार फिर सरकारों के आईना दिखाया है। अपने ऐतिहासिक फैसले में राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को पुलिस परिसरों के सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं, जिनमें लॉक-अप और पूछताछ कक्ष शामिल हैं, पर सीसीटीवी कवरेज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था। न्यायालय ने जोर देकर कहा कि फुटेज को कम से कम 18 महीने तक सुरक्षित रखा जाना चाहिए और हिरासत में यातना या मौत से संबंधित जाँच के दौरान उसे सुलभ बनाया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए एक जनहित याचिका (पीआईएल) शुरू की, जिसमें भारत भर के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी का मुद्दा उठाया गया था। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि 2025 में पिछले 7-8 महीनों में अकेले राजस्थान में पुलिस हिरासत में 11 मौतें हुई हैं। इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर तुरंत संज्ञान लिया। इससे पहले, 2020 में, सर्वोच्च न्यायालय ने देश भर के सभी पुलिस थानों में नाइट विजन और ऑडियो क्षमता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य कर दिया था।

इस ऐतिहासिक फैसले में राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को पुलिस परिसरों के सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं, जिनमें लॉक-अप और पूछताछ कक्ष शामिल हैं, पर सीसीटीवी कवरेज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था। न्यायालय ने जोर देकर कहा कि फुटेज को कम से कम 18 महीने तक सुरक्षित रखा जाना चाहिए और हिरासत में यातना या मौत से संबंधित जाँच के दौरान उसे सुलभ बनाया जाना चाहिए। स्पष्ट निर्देशों के बावजूद, कई पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे काम नहीं कर रहे हैं या फुटेज गायब हैं, जिससे अक्सर जाँच और जवाबदेही में बाधा आती है। पुलिस एजेंसियों ने हिरासत में दुर्व्यवहार से जुड़े मामलों में अक्सर तकनीकी समस्याओं या फुटेज की अनुपलब्धता को बाधा के रूप में उद्धृत किया है। सर्वोच्च न्यायालय की स्वत: संज्ञान कार्रवाई अनुपालन और प्रवर्तन में जारी कमियों को रेखांकित करती है। न्यायालय ने सीसीटीवी प्रणालियों की खरीद, स्थापना और रखरखाव सुनिश्चित करने के लिए राज्य और केंद्रीय निगरानी समितियों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। इसने निर्देश दिया कि गंभीर चोटों या हिरासत में मौतों से जुड़े मामलों में, पीड़ित या उनके परिवार मानवाधिकार आयोगों या अदालतों से संपर्क कर सकते हैं, जिनके पास जाँच और साक्ष्य संरक्षण के लिए सीसीटीवी फुटेज माँगने का अधिकार है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

संसद में शालीन-जिम्मेदार व्यवहार की जरूरत

विश्वनाथ सचदेव

लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव रखा गया है। संभवत: मार्च के दूसरे सप्ताह में सदन में इस पर बहस होगी और लोकसभा में सरकारी पक्ष और विपक्ष के गणित को देखते हुए यह लगभग तय है कि प्रस्ताव अस्वीकृत ही होगा, पर सदन में इस तरह का प्रस्ताव आना ही अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण है। स्पीकर ओम बिरला पर विपक्ष ने पक्षपातपूर्ण आचरण और नेता प्रतिपक्ष को न बोलने देने का आरोप लगाया है। यह पहली बार नहीं है कि हमारी लोकसभा में अध्यक्ष पर पक्षपातपूर्ण व्यवहार का आरोप लगा है। अब तक तीन बार इस आशय के प्रस्ताव सदन में रखे गये हैं। वस्तुत: पहली लोकसभा में ही सन् 1954 में तत्कालीन अध्यक्ष जी.वी. मावलंकर के खिलाफ ऐसा प्रस्ताव आया था।

फिर 1966 और 1987 में ऐसा प्रस्ताव रखा गया। तीनों ही बार यह प्रस्ताव संख्याबल के आधार पर खारिज हो गया था। पर यह बात अपने आप में कम महत्वपूर्ण नहीं है कि लोकसभा के सदस्यों ने अपने विवेक के आधार पर ऐसा प्रस्ताव रखना जरूरी समझा था। जब पहली बार लोकसभा के अध्यक्ष के खिलाफ इस आशय का प्रस्ताव आया तो 479 सदस्यों वाले सदन में सत्तारूढ़ कांग्रेस के 364 सदस्य थे। प्रस्ताव का अस्वीकृत होना स्पष्ट था। जब इस पर बहस हुई तो उपाध्यक्ष ने दो घंटे का समय निर्धारित किया था। तब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उपाध्यक्ष से आग्रह किया था कि सत्तारूढ़ पक्ष को कम बोलना स्वीकार होगा, आप विपक्ष को अपनी बात रखने के लिए अधिकाधिक समय दें! देश के प्रथम प्रधानमंत्री का यह कथन हमारी जनतांत्रिक परंपरा का एक ज्वलंत उदाहरण है। इस परिप्रेक्ष्य में यदि हम आज की स्थिति को देखते हैं, तो कुछ हैरानी होना स्वाभाविक है और कुछ पीड़ा का अनुभव करना भी। आज विपक्ष का आरोप है कि उसे सदन में बोलने नहीं दिया जाता। जनतंत्र संवाद के माध्यम से चलता है। देश के मतदाता ने सरकार को ही नहीं चुना, विपक्ष को भी चुना है।

इसलिए दोनों को अपनी बात कहने का पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। आज विडंबना यह भी है कि विपक्ष न बोलने देने की शिकायत कर रहा है। बहरहाल, सदन में एक अराजकता-सी स्थिति पैदा हो गयी है। यह स्थिति बदलनी ही चाहिए और इसका एकमात्र उचित तरीका यह है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे का सम्मान करने की जनतांत्रिक परंपरा

का निर्वाह करें। जब सदन में बात करने का अवसर नहीं मिलता तो बात सड़क पर होती है। कई बार यह बात बहुत आगे बढ़ जाती है। दिल्ली में कृत्रिम मेधा के वैश्विक सम्मेलन में स्थिति कुछ ऐसे ही हो गयी थी जब कांग्रेस के दस-बीस कार्यकर्ता अपनी टी-शर्ट उतार कर प्रदर्शन कर रहे थे। विरोध प्रदर्शन यह रूप न लेता तो अच्छा था, पर ऐसा भी नहीं है कि इस प्रदर्शन से कोई पहाड़ टूट पड़ा है। दुनिया भर में, हमारे देश में भी, अक्सर विपक्ष ऐसे प्रदर्शन करता रहा है। वस्तुत: विरोध-प्रदर्शन जनता की व्यवस्था का एक जायज अधिकार है और इस तरह के प्रदर्शनों से कोई देश शर्मसार नहीं होता। वे और बातें हैं जिनसे कोई देश शर्मिंदा होता है, या उसे शर्मिंदा होना चाहिए। जब देश के अस्सी करोड़ लोग अपना पेट भरने के लिए सरकार के मुफ्त अनाज पर निर्भर करते हैं, तब देश शर्मिंदा होता है। जब देश में युवाओं की बेरोजगारी के आंकड़ों का ग्राफ बढ़ने लगता है, तब देश को शर्म आनी चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और भारत की एंप्लॉयमेंट रिपोर्ट के अनुसार आज देश के 83 प्रतिशत युवा बेरोजगार हैं। इन बेरोजगारों में स्नातकों की संख्या लगभग 30 प्रतिशत है। सरकारी संस्थानों में चपरासी के पद के लिए स्नातक और परास्नातक स्तर के छात्र आवेदन कर रहे हैं। इस तरह के तथ्य किसी देश को शर्मिंदा करते हैं। टी-शर्ट उतारने से बात नहीं बिगड़ती। टी-शर्ट तो हमारे क्रिकेट कप्तान ने भी तब उतारी थी जब इंग्लैंड में हमारी टीम ने विजय प्राप्त की थी। यह अपना उत्साह या अपनी हताशा प्रकट करने का भी एक तरीका होता है। इसे नंगई कहना गलत है। हैरानी तो तब होती है जब देश का शीर्ष नेतृत्व इस परिप्रेक्ष्य में हल्की भाषा का उपयोग करता है।

एक जवाहरलाल नेहरू थे जिन्होंने कहा था कि विपक्ष को अपनी बात कहने का अधिक अवसर मिलना चाहिए। यही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि सदन में विपक्ष की संख्या बहुत कम है, इसलिए सत्तारूढ़ कांग्रेस के सांसदों को जागरूक रहकर विपक्ष की भूमिका भी निभानी चाहिए, ताकि सरकार व्यर्थ का गर्व न करने लगे। यह व्यर्थ का गर्व किसी भी शासक के लिए उचित नहीं कहा जा सकता। गर्व की जगह घमंड शब्द काम में लें तो बात आसानी से समझ आ जाती है। एक बात और है जिसका ध्यान रखा जाना जरूरी है। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ रखा गया अविश्वास का प्रस्ताव भले ही संख्या-बल को देखते हुए सफल न हो पाये।

झांसी की होली पर कहर बरपाया था डलहौजी ने

स्वतंत्रता सेनानी होली के महीनों पूर्व ही गाजे-बाजे के साथ देशवासियों में स्वतंत्रता की चेतना जगाने वाले फगुए गाना और गुलाल व फूलों से होली खेलना शुरू कर देते थे। धुलेंडी के दिन महिलाएं और बच्चे खादी के वस्त्र पहनकर सुराजी गाने गाते थे।

कृष्ण प्रताप सिंह

वर्ष 1920 में महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन का आह्वान किया तो विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार और स्वदेशी के इस्तेमाल की उनकी अपील ने ऐसा रंग दिखाया था कि देशवासियों ने विदेशी कपड़ों तक की होली जला डाली थी। लेकिन उस दौर की होली का यह पूरा परिचय नहीं है। तब होली आती तो आजादी के दीवानों और उनकी राह में कांटे बिछाते रहने वाले अंग्रेजों के बीच नए सिरे से ठन जाती थी। कारण यह था कि आजादी के दीवाने प्राय: होली पर देशवासियों को राग-द्वेष भुलाकर एक करने, जगाने और लड़ने को प्रेरित करने की नई कवायदें शुरू करते थे, जो अंग्रेजों को कतई गवारा नहीं होती थीं।

1853 में झांसी की होली के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ था, 21 नवम्बर, 1853 को उसके राजा गंगाधर राव नेवालकर के नि:संतान निधन के बाद अंग्रेज गवर्नर जनरल लार्ड डलहौजी ने झांसी पर 'डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स' का कहर बरपाने के लिए होली का ही दिन चुना था। इतिहासकारों के अनुसार, गंगाधर राव अपने रहते अपने दत्तक पुत्र दामोदर राव को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर गए थे। लेकिन उनके निधन के बाद डलहौजी ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। प्रसंगवश, डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स ईस्ट इंडिया कंपनी के अधीनस्थ भारतीय राज्यों व रियासतों को उसके साम्राज्य में मिलाने की ऐसी 'हड़प नीति' थी, जिसके तहत कोई राजा नि:संतान रहते दुनिया को अलविदा कह जाता तो राज्य को कंपनी के साम्राज्य में मिला लिया जाता था। झांसी को हड़पने के लिए डलहौजी ने इसी नीति के तहत 7 मार्च, 1854 को एक फरमान निकाला और इरादतन होली के दिन ही झांसी भेजा। फरमान के साथ एक इश्तिहार भी था, जिसमें लिखा था कि अब कंपनी की ओर से झांसी का शासन मेजर एलिस चलाएंगे। इस रंग में भंग के बाद झांसीवासी भला होली कैसे मनाते? रानी लक्ष्मीबाई ने भी होली के सारे समारोह रद्द कर दिए और महल में जाकर भविष्य पर छाए काले बादलों से निपटने की योजनाएं बनाने में व्यस्त हो गईं।

तब से डेढ़ से ज्यादा शताब्दी बीत गईं, लेकिन झांसी के लोग उस फरमान के आने, रानी द्वारा उसे अंगूठा दिखाने और इससे क्रुद्ध अंग्रेजों के विकट हमले के दौरान झांसी को बचाते हुए वीरगति प्राप्त करने की याद में होली के दिन होली नहीं मनाते। काश! लाहौरवासी भी झांसी वालों की तरह उन छह बब्बर अकाली आंदोलनकारियों की शहादत को याद रखते और उनका शोक मनाते, 1926 में जिन्हें अंग्रेजों ने लाहौर सेंट्रल जेल में होली के दिन ही फांसी दे दी थी। उस साल होली 27 फरवरी को थी और उस दिन फांसी पर लटकाए गए इन आंदोलनकारियों के नाम थे-किशन सिंह गड़गज्ज, संता सिंह, दिलीप सिंह, नंद सिंह, करम सिंह और धरम सिंह। तब भगत सिंह 'क्रांतिकारियों का शहर' कहलाने वाले कानपुर में रहकर आजादी की लड़ाई में ऐतिहासिक भूमिका निभाने वाले गणेश शंकर विद्यार्थी के लोकप्रिय पत्र 'प्रताप' में काम कर रहे थे।

उन्होंने 'एक पंजाबी युवक' के नाम से 15 मार्च, 1926 के 'प्रताप' में लेख लिखकर इस बात पर रोष और क्षोभ जताया था कि इस छह वीरों के बलिदानों को लेकर लाहौर शोक में नहीं डूबा और होली मनाता रहा। इसी 'प्रताप' के शहर कानपुर में 1942 में होली के दिन हटिया बाजार के रज्जन बाबू पार्क में जमा क्रांतिकारी तिरंगे झंडे को खूब ऊंचा फहराकर होली खेल रहे थे, तो अंग्रेजों के दर्जन भर घुड़सवार सिपाही सरपट घोड़े दौड़ाते आए और तिरंगा उतारने लगे। दोनों पक्षों में भीषण संघर्ष छिड़ गया। अंतत: सिपाही भारी पड़े और अंग्रेज अफसरों ने और पुलिस बल बुलाकर 45 क्रांतिकारियों को क्रूरतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया। जैसे ही इन गिरफ्तारियों की खबर फैली, समूचा कानपुर क्रांतिकारियों के समर्थन में सड़कों पर उतर आया। छह दिन बीत गए, फिर भी जनाक्रोश नहीं थमा तो अफसरों को विवश होकर क्रांतिकारियों की रिहाई का आदेश देना पड़ा।

सातवें दिन क्रांतिकारी जेल से छूटे तो उन्हें एक जुलूस के साथ कानपुरवासी उन्हें हटिया के उसी रज्जन बाबू पार्क में ले आए, जहां तिरंगा फहराने के जुर्म में सिपाहियों ने उन्हें पकड़ा था। फिर वहां जश्नपूर्वक होली मनाई। तभी से कानपुर में सात दिन होली मनाई जाती है। गौरतलब है कि स्वतंत्रता सेनानी होली को सामाजिक सुधार और शिक्षा का त्योहार बनाने की अपनी कोशिशों को लेकर अंग्रेजों से टकराते रहे थे। स्वतंत्रता सेनानी होली के महीनों पूर्व ही गाजे-बाजे के साथ देशवासियों में स्वतंत्रता की चेतना जगाने वाले फगुए गाना और गुलाल व फूलों से होली खेलना शुरू कर देते थे। धुलेंडी के दिन महिलाएं और बच्चे खादी के वस्त्र पहनकर अपने मोहल्लों में और कई बार मोहल्ले के बाहर भी निकलते और सुराजी गाने गाते थे। उन सारे गानों में कुरीतियां व रूढ़ियां मिटाकर समाज को बेहतर बनाने पर जोर होता था। जेलों में बंद स्वतंत्रता सेनानी भी कभी जेल के अफसरों से इजाजत लेकर और कभी इजाजत न मिलने पर उसकी अवज्ञा कर होली खेलते थे। उनकी होली में भी सर्वाधिक जोर सद्भाव पर ही होता था।

पीठ की चर्बी

घटाने के लिए करें ये योगासन

पीठ पर जमी चर्बी सिर्फ दिखने में खराब नहीं लगती है, बल्कि यह आपकी बिगड़ी जीवनशैली का सीधा संकेत है। घंटों कुर्सी पर बैठकर काम करना, झुकी हुई गर्दन, मोबाइल-लैपटॉप से चिपकी आंखें और शारीरिक गतिविधि की कमी, इन सबका बोझ सबसे पहले पीठ उठाती है। दवाइयों और मशीनों से इसका समाधान संभव नहीं है बल्कि पारंपरिक और प्राकृतिक तरीके से पीठ की चर्बी को घटाया जा सकता है। हालांकि जल्दी असर देखने के लिए योग के साथ देर रात खाने पर नियंत्रण, मीठा और जंक से दूरी भी बनाएं। योग सुबह खाली पेट करें, सांसों पर ध्यान रखें और धैर्य बनाए रखें। योग तुरंत चमत्कार नहीं करता, लेकिन जो करता है, वह स्थायी करता है। योग केवल वजन घटाने का उपाय नहीं, यह शरीर को सही आकार देने की कला है। नियमित अभ्यास से पीठ की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं, फैट बर्न होता है और पोश्चर सुधरता है।

मर्कटासन

रीढ़ को मरोड़ने वाला यह आसन जमी हुई चर्बी को ढीला करता है। इससे साइड बैक फैट पर असर होता है। पाचन में सुधार और कमर पतली दिखती हैं। सबसे पहले पैरों को सीधा करके पीठ के बल लेट जाएं। अब घुटनों को ऊपर उठाते हुए अपने पैरों को मोड़ लें। अब दोनों हाथों को कंधों के साथ सीधी रेखा में फैलाते हुए फर्श पर लगें। अब गहरी सांस लेते हुए सिर को दाईं ओर और घुटनों को बाईं ओर मोड़िए। इस दौरान बाएं पैर को पंजे से छूने की कोशिश करें। इस दौरान दाई ओर देखने की कोशिश करें। इस स्थिति में कम से कम 7 से 8 सेकंड तक रहें। सामान्य स्थिति में आने के लिए सांस छोड़ते हुए वापस अपनी स्थिति में वापस आ जाएं।

सेतुबंधासन

यह आसन उन लोगों के लिए बेहतरीन है जो ज्यादा कठिन योग नहीं कर सकते। इससे ऊपरी और निचली पीठ की चर्बी कम होती है। कमर दर्द में राहत और ब्लड सर्कुलेशन बेहतर रहता है। अभ्यास के लिए पीठ के बल लेट जाएं, घुटनों को मोड़कर पैरों को हिप्स के पास लाएं। श्वास लेते हुए हिप्स को ऊपर उठाएं। 30 सेकंड तक रुकें और धीरे-धीरे नीचे आएं। यह आसन पेल्विक फ्लोर की मांसपेशियां ब्लैडर कंट्रोल करने, मल त्याग करने और सेक्सुअल परफॉर्मेंस में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस योगासन को करने से शारीरिक गतिविधियों और उम्र के साथ होने वाली समस्याओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पुरुषों को अक्सर काम और अन्य जिम्मेदारियों के कारण बहुत ज्यादा तनाव का सामना करना पड़ता है। ऐसे में इस मुद्रा का नियमित अभ्यास उनके पैरासिम्पेथेटिक नर्व सिस्टम को बढ़ावा देता है, जिससे तनाव कम होता है और ध्यान में सुधार होता है। सेतु बंधासन करने से छाती और फेफड़ों को खोलने में मदद मिलती है, जिससे सांस लेने की क्षमता और ऑक्सीजन का लेवल बेहतर होता है।

भुजंगासन

यह आसन रीढ़ को लचीला बनाता है और पीठ के निचले हिस्से में जमी चर्बी पर सीधा असर डालता है। इसका अभ्यास पीठ की चर्बी कम करने में सहायक है। रीढ़ को मजबूत बनाने के साथ ही बैठने की गलत आदतें सुधरती हैं। भुजंगासन के अभ्यास के लिए पेट के बल लेटें, हथेलियां कंधों के नीचे रखें और सांस लेते हुए छाती ऊपर उठाएं। पीठ के दर्द की समस्या को दूर करने के लिए भुजंगासन का अभ्यास करने की सलाह दी जाती है। कुछ दिनों तक पर रोजाना भुजंगासन का अभ्यास करने से आपको कमर दर्द की समस्या और पीठ दर्द में फायदा मिलता है।

धनुरासन

यह आसन पीठ, कमर और पेट तीनों पर एक साथ काम करता है। इसके अभ्यास से पीठ और कमर की चर्बी घटती है, मेटाबॉलिज्म तेज होता है और शरीर को टोंड लुक मिलता है। धनुरासन को करने के लिए पेट के बल लेट जाएं, अपने घुटनों को मोड़ें और एड़ियों को पकड़ें। अपनी छाती और जांघों को फर्श से ऊपर उठाएं और पीठ को आर्क करें। इस स्थिति में 15-30 सेकंड तक रुकें और फिर दोहराएं।

हंसना मना है

मंदिर में पूजा करते समय गांव की एक लोभी महिला भगवान से बोली... भगवान, तेरे लिए एक सेकंड कितने सालों के बराबर है? भगवान- करोड़ों साल के बराबर, महिला- और करोंड़ो रुपये कितने बराबर होते हैं? भगवान- रत्ती बराबर, लालच से महिला बोली- एक रत्ती मुझे भी दे दीजिए, भगवान बोले- एक सेकंड मंदिर में ही रूको, लाकर देता हूं...

एक नीग्रो बस में अपने बच्चे के साथ जा रहा था। कंडक्टर ने उसका बच्चा देखकर कहा- इतना काला बच्चा मैंने आज तक नहीं देखा, नीग्रो को गुस्सा आया, लेकिन वो कुछ नहीं बोला और सीट पर आकर मुंह फुलाकर बैठ गया। संता ने उससे पूछा-क्या हुआ भाई साहब? नीग्रो ने कहा- अरे यार, उस कंडक्टर ने बेइज्जती कर दी। संता- अरे मार साले को जाकर, ला ये चिम्पांजी का बच्चा मुझे पकड़ा दे। साला काटेगा तो नहीं...

मोन्टू: तुम्हारी आंख क्यों सूजी हुई है? बन्टू : कल मैं अपनी पत्नी के जन्मदिन पर केक लेकर गया था, मोन्टू: लेकिन इसका आंख सूजने से क्या संबंध है? बन्टू: मेरी पत्नी का नाम तपस्या है लेकिन cake वाले बेवकूफ दुकानदार ने लिख दिया Happy Birthday समस्या।

कहानी | बुद्ध, आम और बच्चे

बात उस समय की है जब महात्मा गौतम बुद्धा एक आम के बगीचे में विश्राम कर रहे थे। तभी वहां खेलते हुए बच्चों की एक टोली आ गयी। सभी बच्चे आम का बगीचा देख कर, आम तोड़ने के लिए वहीं रुक गये। बच्चों ने आम तोड़ने के लिए आम के पेड़ पर पत्थर मारना शुरू किया। देखते ही देखते जमीन पर आमों का ढेर लग गया। इतने में एक बच्चे ने थोड़े ऊंचे आम को तोड़ने के लिए एक पत्थर ज्यादा तेज फेंका। वह पत्थर विश्राम कर रहे महात्मा जी को जा कर लगा और उनके माथे से खून आने लगा। सभी बच्चे यह देख कर बहुत डर गए। उन्हें लगा अब तो बुद्धा जी उनको बहुत डाटेंगे। तभी उनमे से एक बालक डरता हुआ महात्मा जी के पास गया और उनसे हाथ जोड़ते हुए बोला, हे महात्मा! हमसे बहुत बड़ी गलती हो गयी है। हमें क्षमा कर दीजिए। हमारी वजह से आपको यह पत्थर लग गया और आपके माथे से खून आ गया। इस बात को सुन कर, महात्मा बुद्धा ने बच्चों से कहा, मुझे इस बात का दुख नहीं है की मुझे पत्थर लगा। पर दुख इस बात का है की पेड़ को पत्थर मारने से पेड़ तुम्हे मीठे फल देता है। लेकिन मुझे पत्थर मारने से तुम्हे डर मिला। इस तरह अपनी बात पूरी कर के महात्मा जी आगे चल दिए। और बच्चे भी आम बटोर कर वापस अपने अपने घर चले गए।

कहानी से सीख: इस कहानी के माध्यम से महात्मा गौतम बुद्धा हमें बताना चाहते है कि, कोई अगर हमारे साथ बुरा व्यव्हार करता है, तब भी हमे उसके साथ अच्छा व्यव्हार ही करना चाहिए। जिस प्रकार पेड़ को पत्थर मारने पर भी वह बदले में मीठे फल ही देता है उसी प्रकार हमे भी सभी के साथ मधुर व्यव्हार रखना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृषभ पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। काम में मन लगेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

मिथुन दु:खद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

कर्क भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी।

सिंह नौकरी में चैन महसूस होगा। घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेंगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी।

तुला स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें।

वृश्चिक बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

धनु नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मकर किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे।

कुम्भ स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे।

मीन प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे सिंधी बहुत प्यारी लगती है: अक्षय कुमार

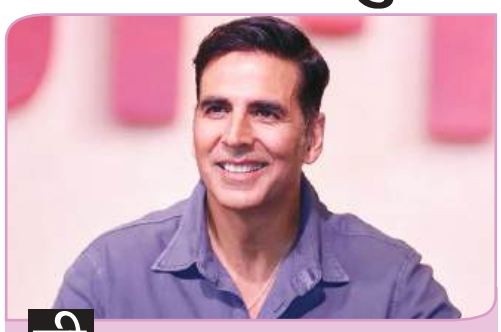

टी वी के पॉपुलर गेम शो व्हील ऑफ फॉर्च्यून में भाषा को लेकर हुई एक सामान्य बातचीत ने एक बेहद प्यारा और यादगार पल बना दिया। इस दौरान अक्षय कुमार और कंटेस्टेंट विधि भारानी, रिवाज घिमिरे, और नीलम राजपूत के बीच हुई बातचीत ने सोशल मीडिया पर फैंस के दिल को अंदर तक छू लिया है। दरअसल, बातचीत के दौरान कंटेस्टेंट विधि भारानी ने बताया कि वो सिंधी हैं। ये सुनते ही अक्षय कुमार ने मुस्कुराते हुए कहा, मुझे सिंधी बहुत ही प्यारी भाषा लगती है। इसके बाद उन्होंने एक मजेदार किस्सा शेयर किया। अक्षय ने बताया कि एक बार उन्होंने अपने एक सिंधी दोस्त को घर पर फोन किया। जब उनके दोस्त की मां ने कॉल उठाया और कहा कि सोया पड़ा है, उठाऊं उसे, तो अक्षय ने इस बात को एक पल के लिए मरा पड़ा है ये समझ लिया, जिससे वो पूरी तरह हैरान रह गए। जब अक्षय ने इस पूरे वाकये को अपने मजेदार अंदाज में दोहराया, तो सेट पर मौजूद ऑडियंस हंसी से लोटपोट हो गई। बातचीत यहीं पर खत्म नहीं हुई। इसके अलावा, अक्षय ने बताया कि उनकी मां को सिंधी बहुत अच्छी तरह से आती थी और उनके ज्यादा करीबी दोस्त सिंधी ही थे। उन्होंने ये भी शेयर किया कि मां अपने दोस्तों के साथ ताश खेला करती थीं। जब अक्षय ने इन यादों के बारे में बात की, तो पूरा माहौल इमोशनल हो गया। माहौल और भी प्यारा तब हुआ जब कंटेस्टेंट विधि ने अक्षय कुमार से पूछा कि क्या वो सिंधी में कुछ कह सकती हैं। उन्होंने कहा, मोखे ताम से जाम प्यार आ, और बताया कि इसका मतलब है मैं तुमसे प्यार करती हूं। इस पर अक्षय ने भी मजाक का मौका हाथ से न जाने दिया और ऑडियंस में बैठी एक महिला को मारवाड़ी में कहा मैं तुमसे प्यार करता हूं ये कहकर बताइये। तब वो महिला थोड़ा सा झिझक गई, फिर अक्षय ने मजाक में कहा कि लगता है इस शब्द का इस्तेमाल अक्सर नहीं करतीं है, जिससे पूरा हॉल हंसी से गूंज उठा।

प्रभास की 'स्पिरिट' में हुई विवेक ओबेरॉय की धांसू इंट्री

साल 2026-2027 फिल्म लवर्स के लिए काफी खास रहने वाला है क्योंकि इस दौरान कई बड़ी और जबरदस्त फिल्में रिलीज होने वाली हैं। इन्हीं में से एक है 'स्पिरिट' जिसे लेकर अभी से लोगों में जबरदस्त एक्साइटमेंट देखने को मिल रही है। फैंस पहले ही इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे लेकिन अब मेकर्स ने उनकी धड़कनें और तेज कर दी हैं। हाल ही में इस मेगा प्रोजेक्ट से विवेक ओबेरॉय का दमदार फर्स्ट लुक जारी किया गया है जिसने फिल्म की दुनिया को और भी ज्यादा रहस्यमयी और हाई-वोल्टेज बना दिया है।

दरअसल विवेक ओबेरॉय ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म में अपने लुक का खुलासा करते हुए नया पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर में वो नाइट सूट पहने नजर आ रहे हैं। उनका एक पैर सोफे पर रखा हुआ है और उसी पर हाथ टिकाकर वो स्टाइल में पोज दे रहे हैं। वहीं दूसरे हाथ में तलवार थामे हुए हैं। मुंह में सिगार और आंखों पर काला चश्मा लगाए उनका अंदाज काफी अलग और प्रभावशाली दिख रहा है। पोस्टर में उनके ठीक आगे एक्ट्रेस ऐश्वर्या देसाई भी नजर आ रही हैं जिससे साफ है कि उनका किरदार भी कहानी में अहम होने वाला है। इस पोस्टर को शेयर करते हुए विवेक ने एक दिलचस्प और रहस्यमयी लाइन लिखी है। उन्होंने लिखा, अंधेरे में छिपा एक रहस्य उन आंखों में बसा जो सबसे गहरे राज याद रखती हैं। 5 मार्च 2027 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में। इस कैप्शन ने फिल्म को लेकर सस्पेंस और बढ़ा दिया है और फैंस अब कहानी को लेकर और ज्यादा उत्सुक हो गए हैं।

रिलीज से पहले ही विवादों में फिल्म

आपको बता दें कि संदीप रेड्डी वांगा की ये फिल्म रिलीज से पहले ही काफी चर्चा में आ चुकी है। दरअसल प्रभास के अपोजिट पहले तृप्ति डिमरी को नहीं बल्कि दीपिका पादुकोण को अप्रोच किया गया था। लेकिन बात आगे नहीं बढ़ पाई क्योंकि खबरों के मुताबिक दीपिका ने 8 घंटे की शिफ्ट और फिल्म की फीस के अलावा प्रॉफिट शेयर की मांग रखी थी। इसी को लेकर डायरेक्टर और एक्ट्रेस के बीच मतभेद हो गए थे।

महीनों चला विवाद

बताया जाता है कि इस मुद्दे को लेकर दोनों के बीच काफी क्लैश हुआ और कई महीनों तक ये मामला मीडिया में चर्चा का विषय बना रहा था। आखिरकार दीपिका को इस प्रोजेक्ट से अलग कर दिया गया और उनकी जगह तृप्ति डिमरी को कास्ट किया गया था। अब प्रभास के साथ तृप्ति की जोड़ी बड़े पर्दे पर नजर आएगी और फिल्म 5 मार्च 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नैना के किरदार की वजह से मैंने दो दीवाने शहर में चुना : संदीपा धर

संदीपा धर हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नजर आई हैं। इस फिल्म में उन्होंने नैना नाम की लड़की का रोल निभाया है। नैना बाहर से बिल्कुल परफेक्ट, खुश और सुलझी हुई दिखती है लेकिन अंदर से वो काफी अकेली और इमोशनली टूटी हुई होती है। यही उसके किरदार की असली परत है जो कहानी को दिलचस्प बनाती है।

हाल ही में संदीपा ने बताया कि उन्होंने ये फिल्म खासतौर पर नैना के किरदार की वजह से चुनी थी। उन्होंने कहा की फिल्म में नैना का किरदार मेरे लिए सबसे बड़ा आकर्षण था। बाहर से वो परफेक्ट और खुशहाल दिखती थी लेकिन अंदर ही अंदर वो बहुत अकेली और इमोशनली टूटी हुई थी। फिल्म में मेरे इस सफर को गहराई से दिखाया गया है। बाहर की परफेक्शन और अंदर की उथल-पुथल को दर्शाना एक्टर के तौर पर मेरे लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों था।

संदीपा ने फिल्म की कहानी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि काफी समय बाद ऐसी लव स्टोरी आई है जो आम फिल्मों से अलग है। ये दो ऐसे लोगों की कहानी है जो अपनी कमजोरियों को समझते हैं उन्हें स्वीकार करते हैं और फिर एक-दूसरे को अपनाकर आगे बढ़ते हैं। उनके मुताबिक ऐसी कहानियां कम देखने को मिलती हैं जहां हीरो-हीरोइन अपनी कमियों के बावजूद एक-दूसरे को चुनते हैं। फिल्म रिलीज होने के बाद संदीपा काफी खुश और संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा, फिल्म रिलीज होने के बाद मुझे बहुत अच्छा लग रहा है क्योंकि ये वैसी ही बनी है जैसा मैंने सोचा था। मेरा किरदार भी उसी तरह से सामने आया है। जब आपकी उम्मीदें पूरी होती हैं तो अलग ही सुकून मिलता है। मुझे पता था कि सेकंड हाफ में मृणाल के साथ मेरा टकराव वाला सीन अगर सही से किया जाए तो वो हाइलाइट बनेगा और वैसा ही हुआ था। कई लोगों ने उस सीन की तारीफ की और उससे खुद को जोड़ा भी था।

अजब-गजब | होली के दिन यहां पुरुषों की होती है नो एंट्री!

होली के दिन इस गांव में होता है सिर्फ महिलाओं का राज, पुरुषों को निकाल दिया जाता है बाहर

होली रंगों और मौजी मस्ती का त्योहार है। होली के दिन लोग रंगों से सरोबार हो जाते हैं। एक दूसरे को रंग लगाते हैं। महिलाएं और पुरुष साथ मिलकर होली खेलते हैं। महिलाएं और पुरुष एक दूसरे को रंग लगाते हैं और पकवानों का लुत्फ उठाते हैं। होली के गानों पर डांस करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि राजस्थान में एक गांव ऐसा भी है जहां महिलाएं होली के दिन पुरुषों को गांव से बाहर निकाल देती हैं। जानिए ऐसा क्यों करती हैं महिलाएं ऐसी।

टोंक जिले का नगर गांव होली पर गांव पुरूषों से खाली हो जाता है। यहां बचती हैं तो केवल महिलाएं जो जमकर एक दूसरे के साथ होली खेलती हैं। वहीं पुरूष गांव के बाहर जाकर होली खेलते हैं। गांव के लोग बताते हैं कि यह परंपरा लगभग 200 वर्षों से चली आ रही है। परंपरा के अनुसार धुलंडी की सुबह लगभग 8 बजे चंग व ढोल की थाप पर होली के पारंपरिक गीतों पर नृत्य करती हुई महिलाएं सभी पुरूषों को गांव से बाहर निकाल देती हैं। गांव निकाले के बाद पुरूष लगभग 3 किमी दूर पहाड़ी पर स्थित चामुंडा माता के मंदिर चले जाते हैं। सभी पुरूष यहां मंदिर परिसर में

अपने अपने समाज की बैठकें करते हैं और समाज सुधार व सामाजिक कुरीतियों पर चर्चा करते हैं।

दोपहर बाद पुरुष लौटते हैं गांव: चामुंडा माता के मंदिर में बैठे सभी लोग दोपहर लगभग 3-4 बजे उस समय लौटते हैं, जब महिलाएं रंग खेलकर अपने अपने घरों को लौट चुकी होती हैं। केवल बीमार पुरूष और छोटे बच्चों को ही गांव में रहने की छूट होती है। गांव में चली आ रही इस अनूठी परंपरा के तहत वहां गढ़ के सामने स्थित चौक में रंग भरा कड़ाव रख दिया जाता है। फिर सभी महिलाएं एक दूसरे को खुलकर रंगने में जुट जाती हैं।

गलती से भी आ गया कोई पुरुष तो मिलती है ऐसी सजा: सुबह लगभग 11 बजे शुरू होने वाला रंगों का यह धमाल लगभग 2 बजे तक यूं ही चलता रहता है। महिलाएं एक दूसरे को रंगों से सरोबार करने में जुटी रहती है। ग्रामीण यह भी बताते हैं कि इस दौरान अगर गांव में कोई पुरूष आ जाता है तो महिलायें ना सिर्फ उसको कोड़ों से जमकर पिटाई करती हैं बल्कि गांव से बाहर निकाल कर ही दम लेती हैं।

10 साल के बच्चे ने पिता पर ठोका 10 लाख का केस, रेड पैकेट मनी को लेकर मचा बवाल!

चीन के हेनान प्रांत के झेंग्झौ शहर में रहने वाले 10 साल के जियाओहुई इस समय सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने हुए हैं। वजह है उनका अपने ही पिता के खिलाफ अदालत में केस करना। मामला उनकी 'रेड पैकेट मनी' यानी पॉकेट मनी से जुड़ा है। चीन में खास मौकों, खासकर नए साल पर, बड़ों द्वारा बच्चों को लाल लिफाफे में पैसे देने की परंपरा है। इसे 'रेड पैकेट' कहा जाता है। जियाओहुई को भी कई सालों में ऐसे ही उपहार के तौर पर पैसे मिले थे। ये रकम जमा होकर करीब 82,750 युआन यानी लगभग 11,500 अमेरिकी डॉलर (भारतीय मुद्रा में करीब 10 लाख रुपये) हो गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह पूरी राशि जियाओहुई के नाम पर बैंक खाते में जमा थी। लेकिन दो साल पहले उनके माता-पिता का तलाक हो गया। तलाक के बाद पिता ने दूसरी शादी कर ली और इसी दौरान कथित तौर पर बेटे की जमा की गई रेड पैकेट मनी खर्च कर दी। जब जियाओहुई ने अपने पिता से पैसे लौटाने की मांग की, तो उन्होंने इनकार कर दिया। पिता का कहना था कि ये पैसे उनके जानने वालों ने दिए थे और वे रकम बेटे को तभी देंगे जब वह वयस्क हो जाएगा। मामला यहीं से कोर्ट तक पहुंच गया। अदालत में सुनवाई के बाद जियाओहुई के पक्ष में फैसला आया। कोर्ट ने आदेश दिया कि पिता को पूरी राशि बेटे को वापस करनी होगी, क्योंकि यह पैसा बच्चे के नाम पर था और उस पर उसका ही अधिकार है। इस खबर के सामने आते ही सोशल मीडिया पर लोगों की तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कई यूजर्स ने पिता की आलोचना करते हुए कहा कि बच्चे की जमा पूंजी खर्च करना गलत है। कुछ लोगों ने तो यह भी सवाल उठाया कि ऐसी परिस्थिति में किसी को दूसरी शादी की इतनी जल्दी क्यों थी। यह मामला सिर्फ पैसों का नहीं, बल्कि बच्चों के अधिकारों और अभिभावकों की जिम्मेदारी का भी है। जियाओहुई की यह कानूनी लड़ाई अब एक बड़ी बहस का विषय बन गई है और सोशल मीडिया पर लोग इसे लेकर अलग-अलग राय दे रहे हैं।

दुनिया को शांति की जरूरत, युद्धों की नहीं

» कांग्रेस सांसद प्रियंका बोलीं -आंख के बदले आंख दुनिया को अंधा बना देगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातल्ला अली खामेनेई की हत्या को घृणित बताया और कहा कि अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले स्पष्ट रूप से निंदा के योग्य हैं। उन्होंने कहा दुनिया को शांति की जरूरत है, अनावश्यक युद्धों की नहीं। एक्स पर एक पोस्ट में, गांधी ने कहा कि लोकतांत्रिक दुनिया के तथाकथित नेताओं द्वारा एक संप्रभु राष्ट्र के नेतृत्व की लक्षित हत्या और असंख्य निर्दोष लोगों की हत्या घृणित है और इसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए, चाहे इसका घोषित कारण कुछ भी हो।

उन्होंने आगे कहा कि दुखद रूप से, अब कई राष्ट्र इस संघर्ष में घसीटे जा रहे हैं। महात्मा गांधी के कथन आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को अंधा कर देती है को याद करते हुए, प्रियंका गांधी ने कहा कि दुनिया को शांति की जरूरत है, अनावश्यक युद्धों की नहीं। उन्होंने एक्स पर कहा कि मुझे उम्मीद है कि इज़राइल के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ट्रम्प के सामने घुटने टेकने के बाद, हमारे प्रधानमंत्री प्रभावित देशों में फंसे सभी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

भारत ने एक भरोसेमंद दोस्त खो दिया: संजय

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे एक युग का अंत बताया और भारत-ईरान के ऐतिहासिक संबंधों पर प्रकाश डाला। अपने पोस्ट में सिंह ने लिखा कि जिनके पूर्वज भारत से हैं, उनके लिए अयातुल्ला खुमैनी का ईरान का सर्वोच्च नेता बनना एक युग का अंत है। भारत ने एक भरोसेमंद दोस्त खो दिया है। खुमैनी जी को मेरी विनम्र श्रद्धांजलि। ईरान भारत का पारंपरिक सहयोगी रहा है। इसने हमेशा पाकिस्तान के खिलाफ मतदान किया है और भारत का साथ दिया है। इसने भारत को ऊर्जा सुरक्षा प्रदान की है। उन्होंने आगे कहा कि संकट की इस घड़ी में, भारत सरकार को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए, अन्यथा वैश्विक तानाशाह अमेरिका का अत्याचार पूरी दुनिया में फैल जाएगा।

बोले - इजरायल और अमेरिका में जमीन पर लड़ने का साहस नहीं

दुनिया ने एक बहादुर लीडर खोया : इमरान

सहारनपुर। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए उन हमलों की निंदा की, जिनमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मृत्यु हो गई। मसूद ने खामेनेई को एक बहादुर नेता बताया, जिनकी मृत्यु का शोक पूरी दुनिया में महसूस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया ने एक बहादुर नेता को खो दिया है... इतिहास उन्हें एक बहादुर नेता के रूप में याद रखेगा, जिन्होंने तमाम पाबंदियों के बावजूद अपने देश के निर्माण के लिए काम किया। ऐसे व्यक्ति का जाना निश्चित रूप से बहुत दुखद है। न तो इजरायल और न ही अमेरिका में आमने-सामने की लड़ाई लड़ने का साहस है। वे तकनीक से हत्या कर रहे हैं। उनमें जमीन पर लड़ने का साहस नहीं है। यह घटना अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए संयुक्त मिसाइल हमलों के बाद पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव के बीच हुई है। तेहरान और अन्य प्रमुख शहरों में विस्फोटों की खबरें आईं, और ईरानी सरकारी मीडिया ने दावा किया कि इन हमलों में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मृत्यु हो गई। देश ने 40 दिनों के सार्वजनिक शोक की घोषणा की है। ईरान के सरकारी मीडिया ने बताया कि अली खामेनेई की बेटी, पोती, बहू और दामाद इजरायल-अमेरिकी हमलों में मारे गए। इजरायली अखबार ने कहा कि खामेनेई के भाग्य के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है।

पश्चिम एशिया में हमले पूरी तरह से अनैतिक : औवैसी

हैदराबाद। आईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन औवैसी ने ईरान पर ट्रंप-इजराइल के हमलों और अफगानिस्तान में पाकिस्तान की कार्रवाइयों की कड़ी निंदा करते हुए चेतावनी दी कि अगर ये हमले तुरंत नहीं रुके तो पूरा क्षेत्र अस्थिरता की चपेट में आ जाएगा। एक पोस्ट में औवैसी ने कहा कि ये हमले पूरी तरह से निंदनीय हैं और इन्हें अनैतिक और गैरकानूनी कृत्य बताया। उन्होंने प्रभावित लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। औवैसी ने लिखा कि ईरान पर ट्रंप-इजराइल के हमले पूरी तरह से निंदनीय हैं। खासकर तब जब ईरान-अमेरिका जिनेवा में थे। ईरान भर में 200 से अधिक लोग मारे गए हैं, जिनमें एक गर्ल्स स्कूल पर हुए हमले में मारे गए 108 लोग भी शामिल हैं। यह पूरी तरह से अनैतिक और गैरकानूनी कृत्य है। मेरी गहरी संवेदनाएं। ईरान पर ये हमले जल्द से जल्द बंद होने चाहिए, अन्यथा पूरा क्षेत्र अस्थिरता की चपेट में आ जाएगा। हमें याद रखना चाहिए कि इस क्षेत्र में 1 करोड़ 10 करोड़ भारतीय काम करते हैं। उन्होंने ईरान पर इजरायल के हमले और अफगानिस्तान के खिलाफ पाकिस्तान की आक्रामकता की भी आलोचना करते हुए कहा कि ये दोनों घटनाएं दर्शाती हैं कि ये दोनों राष्ट्र अपने-अपने पड़ोस में आक्रामकता और उपद्रव की ताकतें हैं। उन्होंने कहा कि ईरान पर इजरायल का हमला और अफगानिस्तान पर पाकिस्तान का हमला हमें दिखाता है कि इजरायल और पाकिस्तान अपने-अपने पड़ोस में आक्रामकता और उपद्रव की ताकतें हैं। यह निंदा ऐसे समय में आई है जब इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा ईरान के ठिकानों पर समन्वित सैन्य हमलों के बाद पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ रहा है। अमेरिकी-इज़राइली हवाई हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता, अयातुल्ला अली खामेनेई भी मारे गए। इन हमलों के परिणामस्वरूप देश भर में भारी जानमाल का नुकसान हुआ है।

खिताब से दो कदम दूर भारत

» वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराया, टी20 विश्वकप में लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम ने सारे समीकरण ध्वस्त करते हुए टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारत इस टूर्नामेंट के इतिहास में कुल छह और लगातार तीन बार सेमीफाइनल में पहुंचा है।

भारत ने वेस्टइंडीज को हराकर टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारत अगर वेस्टइंडीज को हरा सका तो इसके पीछे सबसे बड़ा योगदान सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन का है जिन्होंने रविवार को दमदार पारी खेली। भारत के लिए सैमसन ने एक छोर से मोर्चा संभाले रखा और अंत तक टिके रहे। कोलकाता के ईडेन गार्डेंस में रविवार को खेले गए मुकाबले में भारत ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में चार विकेट पर 195 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने संजू सैमसन की नाबाद 97 रनों की विस्फोटक पारी की मदद से 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 199 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। बता दें टीम इंडिया को 196 रन का लक्ष्य मिला तो सबकी उम्मीदें अभिषेक (10) और ईशान (10) पर टिकी थीं। हालांकि, भारत ने 41 रन पर इन दोनों के विकेट गंवा दिए। इस मौके पर संजू ने अपना साहस दिखाया और पहले सूर्यकुमार यादव, फिर तिलक वर्मा, फिर हार्दिक पांड्या और आखिर में शिवम दुबे के साथ मिलकर टीम इंडिया को जीत दिलाई और सेमीफाइनल में जाना तय कर दिया। उन्होंने 50 गेंद में 12 चौके और चार छक्के की मदद से नाबाद 97 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 194 का रहा।

संजू ने 50 गेंद में 12 चौके और चार छक्के की मदद से बनाए नाबाद 97 रन

तीसरी बार सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे भारत-इंग्लैंड

भारत का सामना अब पांच मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड से होगा। ऐसा नहीं है कि दोनों टीमें इससे पहले सेमीफाइनल में नहीं भिड़ी हैं। यह लगातार तीसरी बार होगा जब भारत और इंग्लैंड फाइनल में पहुंचने के लिए एक दूसरे का सामना करेंगे। वानखेड़े स्टेडियम पर भारत और इंग्लैंड के बीच हेड टू हेड रिकॉर्ड की बात करें तो दोनों टीमें इस स्टेडियम में कुल दो बार टी20 में आमने-सामने हुई हैं। दिलचस्प बात है कि एक मैच भारत ने जीता है, जबकि एक मैच इंग्लैंड अपने नाम करने में सफल रहा है। यानी इस मैदान पर दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने मिल सकता है।

केंद्र की विदेश नीति बेनकाब : जयराम

» कांग्रेस नेता ने अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों से लेकर चीन और ईरान संकट से निपटने तक की विफलताओं को गिनाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने केंद्र की विदेश नीति पर तीखा हमला करते हुए इसे पूरी तरह बेनकाब बताया और अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों से लेकर चीन और हालिया ईरान संकट से निपटने तक की विफलताओं को गिनाया। एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट में रमेश ने कहा कि स्वयंभू विश्वगुरु के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है, भले ही प्रधानमंत्री के समर्थकों ने इस पर कितना भी दिखावा किया हो।

उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका पाकिस्तान के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए हुए है और आतंकी हमलों और क्षेत्रीय तनाव के संदर्भ में की गई टिप्पणियों पर चिंता व्यक्त की। रमेश ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति पाकिस्तान के साथ अपना प्रेम संबंध जारी रखे हुए हैं और बार-बार उसी व्यक्ति की प्रशंसा कर रहे हैं जिसकी भड़काऊ टिप्पणियों ने 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमलों की पृष्ठभूमि तैयार की थी। अमेरिका ने अफगानिस्तान पर पाकिस्तान के युद्ध का खुलकर समर्थन भी किया है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर रमेश ने कहा कि 2 फरवरी, 2026 को राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा की कि मोदी के अनुरोध पर भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अंतिम रूप दे दिया गया है और यह तत्काल प्रभाव से लागू हो रहा है। यह स्पष्ट है कि मोदी का यह एक हताशा भरा कदम था, जिसका उद्देश्य संसद में राहुल गांधी द्वारा उठाए गए मुद्दों से ध्यान हटाना था।

ऑपरेशन सिंदूर को ट्रंप के रोकने के दावे पर भी उठाए सवाल

रमेश ने मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर को रोकने में अमेरिकी नेतृत्व की भूमिका के दावों पर सरकार की प्रतिक्रिया पर भी सवाल उठाया और कहा कि प्रधानमंत्री ने इन दावों पर सार्वजनिक रूप से कोई जवाब नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने कम से कम सौ बार दावा किया है कि उन्होंने भारत के अमेरिकी निर्यात पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी देकर 10 मई, 2025 को ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए हस्तक्षेप किया था। लेकिन प्रधानमंत्री राष्ट्रपति ट्रंप के इन दावों पर पूरी तरह से चुप हैं। ऑपरेशन सिंदूर को रोकने की पहली घोषणा अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने 10 मई, 2025 को शाम 5:37 बजे की थी।

एक्सप्रेसवे पर ट्रक से टकराई बस, तीन यात्रियों की मौत, 31 घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उन्नाव। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर सिरधरपुर और देवखरी गांव के पास मथुरा और आगर डिपो की दो रोडवेज बसें एक ही ट्रक में भीड़ गईं। हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई जबकि दोनों बसों के 31 यात्री घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को बांगरमऊ सीएचसी भेजा। वहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। दोनों घटनाएं चालक को झपकी आने से बताई जा रही हैं।

एक्सप्रेसवे पर रविवार रात 12 बजे एक ट्रक किलोमीटर संख्या 226 सिरधरपुर गांव के सामने सड़क घेरकर खड़ा था। आगरा फोर्ट की बस खड़े ट्रक में पीछे से भिड़ गई। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पांच एंबुलेंस से सभी घायलों को बांगरमऊ स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया साथ ही हाइड्रा मंगाकर क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने का प्रयास शुरू किया।

खाड़ी में भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करे सरकार: विजयन

» केरल के सीएम की पीएम मोदी से अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने खाड़ी देशों में मौजूदा स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर केंद्र सरकार से खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीय नागरिकों, विशेषकर केरलवासियों के हितों की रक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक राजनयिक कदम उठाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों में मौजूदा स्थिति बेहद चिंताजनक है। केरल की बात करें तो इन देशों में बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीय रहते हैं।

इसलिए मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर खाड़ी क्षेत्र में चिंताओं को दूर करने के लिए उनके हस्तक्षेप का अनुरोध किया है। 28 फरवरी को ऑपरेशन एपिक फ्यूरी/लायंस रोर के तहत अमेरिका और इज़राइल ने ईरान पर हमले किए, जिनमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या कर दी गई। इसके अलावा, तसनीम समाचार एजेंसी ने बताया कि तेहरान में अमेरिका और इज़राइल के आतंकवादी हमलों में कई उच्च पदस्थ ईरानी सैन्य कमांडरों के मारे जाने की पुष्टि हुई है।

4पीएम की खबर के बाद तेल और सेक्स दवाओं का प्रचार करने वाले शुभांकर मिश्रा खदेड़ दिये गये एनडीटीवी से !

» नए चेहरे और गिरते भरोसे की पूरी कहानी

» राहुल कंवल ने डुबो दी चैनल की लुटिया, न साख बची न पहचान

» एनडीटीवी में कंबल ओढ़कर घी पीते राहुल कंवल और उनके चेले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कभी अपनी निर्भीकता और सत्ता से टकराने की पहचान रखने वाला एनडीटीवी आज खुद एक व्यक्ति के गलत फैसलों के चलते सवालों के घेरे में खड़ा दिखाई दे रहा है। यहां सवाल सिर्फ एक चैनल का नहीं है सवाल उस पूरी व्यवस्था का है जिसमें पत्रकारिता कारपोरेट स्वामित्व और व्यक्तिगत ब्रांडिंग एक खतरनाक मिश्रण बन चुके हैं। जी हां यहां बात हो रही है राहुल कंवल और शुभांकर मिश्रा की।

एनडीटीवी का नाम कभी उस पत्रकारिता का पर्याय था जिसने कभी सस्ती पत्रकारिता नहीं की । लेकिन जब से एनडीटीवी की सत्ता संजय पुगलिया से जाकर राहुल कंवल के हाथों में पहुंची है नित्य नये नये आरोप लगना शुरू हो गये हैं।

न घर का न घाट का रहा एनडीटीवी

राहुल कंवल को चैनल के नेतृत्व की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। मीडिया के गलियारों में इसे एक बड़े रणनीतिक बदलाव के रूप में देखा गया। राहुल कंवल को इस जोर शोर के साथ कुछ लोग एनडीटीवी में लाये कि राहुल एनडीटीवी को बीबीसी बना देंगे। और राहुल को उनकी टीम बनाने कुछ भी करने स्वतंत्र निर्णय लेने की खुली छूट दी गयी। राहुल बहुत से लोगों को लाये उनमें डिजिटल प्लेटफॉर्म से आए कुछ पत्रकारों को भी मुख्यधारा मीडिया में जगह मिली। उनमें से एक नाम शुभांकर मिश्रा का भी रहा। जिन्होंने यूट्यूब और डिजिटल माध्यम से अपनी पहचान बनाई थी। लेकिन असली सवाल यह नहीं है कि कौन आया और कौन गया। असली सवाल यह है कि क्या दर्शकों का भरोसा भी साथ आया या वह रास्ते में कहीं छूट गया?

पैरवी के बाद मिलती है नौकरी

जैसा कि मीडिया संस्थानों में होता है। पैरवी के बाद ही उच्च पद पर नौकरी मिलती है। ऐसा ही इस प्रकरण में भी हुआ। यूटयूबर शुभांकर मिश्रा की पैरवी राहुल कंवल ने की और उन्हें एनडीटीवी ज्वाइन करा दिया गया। उन्होंने मालिकों को सपने दिखाये कि यह लड़का तेज तर्रार है और अच्छा काम करता है। चैनल हित में यह बढ़िया रहेगा । लेकिन एंडरिजल्ट वहीं आया खाया पिया कुछ नहीं गिला तोड़ा बारहआने शुभाकंर मिश्रा चैनल में कुछ खास नहीं कर सके उल्टे उनके सेक्स टाइप और तेल के यूटयूब चैनल के वीडियो से एनडीटीवी की छवि पर विपरीत असर पड़ने लगा। रही सही कसर गलगोटिया कुत्ता विवाद के बाद हुई। क्योंकि कुत्ते वाली मैडम ने भी यही कहां कि शुभांकर मिश्रा भी गलगोटिया प्रोडक्ट है। वह खूब ट्रोल हुए। बाद में संजय शर्मा के शो के बाद एनडीटीवी ने उनसे रूखसती ले ली।

बोले यूजर

"जिस दिल डा. प्रणव रॉय एनडीटीवी से अलग हुए उसी दिन वह बर्बाद हो गया था। अब तो रिपब्लिक जैसों से भी बुरा हाल है। -गौरव कुमार

"सच तो यह है देश की जनता भाजपा की सरकार और गोदी मीडिया से पूरी तरह थक चुकी है और उनसे पीछा छुड़ाना चाहता हैं। -राम धैर्य

"राहुल कंवल का चेहरा दिखाओ मत माथा ठणक जाता है। - खांडु शिंदे

"गोदी मीडिया को ट्रॉल से कोई फर्क नहीं पड़ता सर जी इनका जमीर मर चुका हैं। - इमरान कुरैशी

"वैरी गुड एंड इट इज टू, एनडीटीवी इज गोइंग डाउन। - साइमन थामस

"शर्मा जी मेंने तो तभी एनडीटीवी छोड़ दी जब रवीश कुमार जी ने इस्तीफा दिया। - एमएन बुटिक

"हमेशा चलाना ही नहीं, कभी डुबोना भी एक टास्क होता है। -खोजमार

"टीवी अखबार से लोग ऊब चुके हैं खासकर हिन्दू मुस्लिम से।- अशोक कुमार

"आपने धो डाला और आइना दिखा दिया। - उज्ज्वल त्रिवेदी

"ये जो फ्रंट लाइन प्राइवेट मीडिया लोग उसे सुनना ही नहीं चाहते। -निर्मल

"बहुत बढ़िया रिपोर्टिंग, संजय शर्मा जी को बहुत बहुत धन्यवाद। - शशिकांत

"शेयर बाजार मै भी एन डी टी वी 200 के पार चलने वाला आज 94 पर आ गया है। - मधु

कंवल ने पहुंचायी एनडीटीवी की आत्मा को ठेस

यह तो साफ हो गया कि राहुल कंवल की जोकर पत्रकारिता से एनडीटीवी की आत्मा को भारी नुकसान हुआ और उनके चेले शुभाकंर मिश्रा की एंट्री ने तो एनडीटीवी को कहीं का नहीं छोड़ा। खैर छोड़िये इन सब बातों को हकीकत बताते हैं और हकीकत यह है कि धीरे धीरे राहुल कंवल ने चैलन में अपने चमचों की फौज खड़ी कर ली जो चैनल को घुन की तरह खाने लगे। हैरानी की बात है कि चैनल के मालिक गौतम अडानी को यह समझा में नहीं आया कि राहुल कंवल जो कर रहे हैं उससे एनडीटीवी को नुकसान हो रहा है।

संजय पुगलिया बने पूर्णकालिक निदेशक

न्यूज़ ब्रॉडकास्टर न्यू दिल्ली टेलीविजन लिमिटेड (एनडीटीवी) के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 28 जनवरी 2026 को हुई अहम बैठक में वरिष्ठ पत्रकार संजय पुगलिया को फिर पूर्णकालिक निदेशक के रूप में नियुक्त करने का फैसला किया है। इस नियुक्ति का

कार्यकाल 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2029 तक रहेगा, जबकि इसे कंपनी के आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की स्वीकृति मिलना शर्त के रूप में रखा गया है। पुगलिया को इससे पहले भी 1 अप्रैल 2023 से तीन साल की अवधि के लिए एनडीटीवी का पूर्णकालिक निदेशक बनाया गया था, जो अडानी समूह के एनडीटीवी अधिग्रहण के बाद बोर्ड में किए गए व्यापक बदलाव का हिस्सा था। संजय पुगलिया मीडिया उद्योग में तीन दशक से अधिक समय से हैं। सीएनबीसी आवाज के लगभग 12 वर्षों तक संचालन में उनकी भूमिका, स्टार न्यूज़ और ज़ी न्यूज़ जैसे बड़े नेटवर्क्स में वरिष्ठ पदों पर कार्य, और आजतक के शुरुआती दिनों में उनकी हिस्सेदारी के कारण उन्हें एक स्थापित पत्रकार माना जाता रहा है।

शुभांकर के शो कचहरी में भारी भ्रष्टाचार के आरोप

यह तो साफ है कि शुभांकर अपने पॉडकास्ट को किस स्तर तक ले जाते हैं। इन्होंने अपनी पॉडकास्ट में तेल तक का व्यापार किया। खैर उनका शो वह जाने वह चाहे तो कंडोम का विज्ञापन करे लेकिन सवाल यही है कि उनके यह सब करने से चैनल की छवि को जो धक्का लगा वह पीड़ाजनक है। खबरें तो यहां तक है कि एनडीटीवी के कचहरी शो के बाद शुभांकर अपनी यूट्यूब पाडकास्ट के 25 लाख रूपये तक वसूलने लगे हैं। एनडीटीवी पर इनके कचहरी शो का हाल देखेने के बाद साफ है कि सबकुछ चूरन चटनी टाइप का चला।

कुछ हालिया शो की बात करें तो स्थिति साफ है।

1. *तालिबान का इंतकाम टोटल व्यू आये 9,600, अगर कोई ट्रेनी भी इंटरवूय करता है तो व्यू 50 हजार तक आते हैं*
2. *अगला शो आता है तालिबान वर्सेज: पाकिस्तान इस शो को देखकर आप खुद कहेंगे कि एनडीवी पर भी फर्जी खबरे चलने लगी। व्यू आये 6 हजार 900 एनडीटीवी के जूनियर लड़के के भी शो में इससे ज्यादा व्यूज आते हैं*
3. *योगी की शपथ बिहार जिताएगी। पांच दिन में टोटल व्यू 5 हजार के आसपास आये*
4. *प्रेमानंद का जानलेवा हठयोग छह दिन में 5 हजार व्यू।*

चमचागीरी में माहिर राहुल कंवल

चमचागीरी फेमस राहुल कंवल ने अपनी इस कला का खूब इस्तेमाल किया और लोग कहते हैं कि वह यहां तक पहुंचे भी अपनी इसी कला के बल पर हैं। भारत का कोई भी बड़ा राजनीतिज्ञ हो या फिर कारपोरेट जगत का यदि राहुल कंवल ने उनका इंटरव्यू कर लिया तो समझ लीजिए कि राहुल ने उसे अपने शीशे में उतार लिया। गृहमंत्री अमित शाह हो या फिर अंबानी जी के बेट वह अपनी चमचागीरी के नित्य नये कीर्तिमान जरूर स्थापित कर लेते हैं। सभी को पता है कि जब अंबानी के बेटे जू बना रहे थे तब राहुल कंवल ने अंबानी के बेटे की चमचागीरी करने के लिए हाथी का खाना खा खा लोगों को दिखाया था और उसकी खूब तारीफ की थी। राहुल कंवल का नाम शायद देश के उन पत्रकारों की लिस्ट में सबसे उपर है जिनकी आनलाइन और आफलाइन दोनों जगह जमकर फजीहत उड़ाई गयी हो। सुधीर चौधरी दूसरे नम्बर पर आएंगें।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा